डायोरामा

सेतु-बंधन

१०′ x १५′ x ७′

राम–सेना समुद्र तट पर पहुँची। समुद्र पार करना था। नल वास्तुशिल्पी था। उसने समुद्र का कम गहरा क्षेत्र खोज निकाला। सेतु–निर्माण प्रारंभ हुआ। छोटे–बड़े प्राणी भी सेतु निर्माण में जुट गए। गिलहरी तक ने योगदान दिया। देखते–देखते सेतु बन गया। राम–सेना लंका पहुँचने लगी।

Ram's army reached the coast. The ocean had to be crossed. Nal, an architect in the army, found a shallow path in the seabed. Ram, along with everyone in the army, helped in the construction of the bridge. It was ready in no time at all. The army marched towards Lanka.